परमेश्वर की रचना - आपका चुनाव

God's Design - Hindi

परमेश्वर की योजना– आपका चुनाव

लेखक
जे० लॉवैल हारुप

अनुदित
डॉ० विश्वास नाथ 'प्रशान्त'
आई० सी० आई० इन्टरनेशनल ऑफिस स्टाफ
के सहयोग से तैयार किया गया अध्ययन

अनुदेशात्मक विशेषज्ञः मार्सिया मुन्गर
चित्र निर्देशन जॉन लिन्डसे बीडमैन

प्रकाशक
इन्टरनेशनल कॉरेसपोन्डेन्स इन्स्टीट्यूट
पोस्ट बैग नं० 1, एन्ड्रूज गंज
नई दिल्ली-110 049

CL 1310-HV

© 1992 सर्वाधिकार सुरक्षित
इन्टरनेशनल कॉरेसपोन्डेन्स इन्स्टीट्यूट

विषय-सूची

	पृष्ठ
आइए, पहिले कुछ बात करें	5
पाठ	
1. क्या परमेश्वर के पास वास्तव में कोई योजना (रूपरेखा) है?	10
2. क्या परमेश्वर मुझे बताएगा कि आगे क्या करूं?	29
3. क्या परमेश्वर बहुत अधिक अपेक्षा करता है?	49
4. क्या मैं परमेश्वर की योजना (रूपरेखा) से अलग हूं?	72
5. क्या मसीही होना ही पर्याप्त है?	92
6. परमेश्वर मुझसे कैसे बात कर सकता है	112
7. क्या यीशु परमेश्वर की योजना (रूपरेखा) को जानता था?	134
8. मैं भविष्य में कैसे पहुंचूं?	151

आइए पहिले कुछ बात करें

आपकी अध्ययन पुस्तक के लेखक की ओर से.....

क्या इस बात के लिए आप कभी आश्चर्यचकित हुए कि परमेश्वर ने आपके जीवन के लिए कोई योजना बनाई है? शायद आप एक नए विश्वासी हैं। हो सकता है कि आप अनेक वर्षों से मसीही हैं। परन्तु जैसे-जैसे आप प्रभु की संगति करते जाते हैं आपके मन में नीचे दिए गए जैसे प्रश्न उठे होंगे:

अब मैं एक मसीही हूँ और अब परमेश्वर मुझसे क्या चाहता है कि मैं करूँ? इसके बारे में वह मुझे कैसे बताएगा? जब मैं यह जान लेता हूँ कि परमेश्वर मुझ से क्या चाहता है तो मैं उसे करना आरंभ कैसे करूँ? जब कठिनाइयाँ और संकट आते हैं तो क्या मैं यह समझूँ कि मैं उसकी योजना से अलग हो गया हूँ? भविष्य के विषय में कौन सी बातें हैं? क्या वह मुझे इसके बारे में भी बताएगा? परमेश्वर जो कुछ मुझ पर प्रकट करता है उसे मैं किस प्रकार करूँ?

यह पाठ्यक्रम इस रूप में तैयार किया गया है कि इन प्रश्नों के उत्तर पाने में यह आपकी सहायता करे। जब आप प्रत्येक पाठ का अध्ययन करते हैं तब आप अपने लिए परमेश्वर की योजना को और अच्छी तरह से मालूम करते हैं और यह भी जान लेते हैं कि इस पर चलने के लिए कैसे चुनाव करें। आप यह भी खोज करेंगे कि आप भी उसकी योजना के भाग हैं। आप यह भी मालूम करेंगे कि परमेश्वर आपको यह भी बताना चाहता है कि वह आपसे क्या चाहता है। आप जिन सच्चाइयों के विषय में सीखते हैं उन्हें आप अपने मसीही जीवन में प्रतिदिन लागू कर सकेंगे।

यह पाठ्यक्रम, सिखाने के लिए आधुनिक तरीके का उपयोग करता है। जिससे कि आप सिद्धांतों को सरल ढंग से सीखकर तुरन्त व्यवहार में ला सकेंगे।

आपकी अध्ययन पुस्तक :

'परमेश्वर की योजना—आपका चुनाव' एक छोटे आकार की पुस्तक है जिसे आप कहीं भी ले जा सकते हैं; और जब भी समय मिले अध्ययन कर सकते हैं। प्रत्येक दिन कुछ समय निकालकर इसका अध्ययन किया करें।

आप देखेंगे कि पाठ के आरम्भ में ही पाठ की **विषयवस्तु** दे दी गयी है। **विषयवस्तु** या उद्देश्य शब्द का प्रयोग इस पुस्तक में इसलिए किया गया है कि अपेक्षित अध्ययन को समझने में आपकी सहायता करे। विषयवस्तु एक प्रकार से लक्ष्य या एक अभिप्राय का द्योतक है। यदि आप पाठ की विषयवस्तु अथवा उद्देश्यों पर ध्यान देकर मन में रखेंगे तो आपका अध्ययन वास्तव में लाभदायक होगा।

प्रत्येक पाठ के पहले दो पृष्ठों का अध्ययन करना न भूलें। इन्हीं के अध्ययन से आगे की पाठ्य-सामग्री मालूम हो सकेगी। फिर, आप पाठ के एक-एक भाग का अध्ययन करें और **आपके लिए कार्य** में दिए गए निर्देशों का पालन करें। यदि अध्ययन के प्रश्नों के उत्तर लिखने में स्थान कम पड़े तो एक अलग कापी में लिख लें। ताकि जब आप पाठ को दोहराते हैं तो ये उत्तर आपके लिए सहायक हों। यदि आप इस पाठ्यक्रम का अध्ययन एक समूह में कर रहे हैं तो समूह के अगुवे के निर्देशों का पालन करें।

अध्ययन के प्रश्नों के उत्तर कैसे दें :

इस अध्ययन पुस्तक में विभिन्न प्रश्न दिये गये हैं। नीचे विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के नमूने और उनके उत्तर दिये जा रहे हैं।

एक से अधिक चुनाव वाले प्रश्न में आपको प्रश्न के साथ दिये गये उत्तरों में एक सही उत्तर चुनना है।

एक से अधिक चुनाव वाले प्रश्न का उदाहरण :–

1 बाइबल में कुल–
(अ) 100 पुस्तक हैं।
(ब) 66 पुस्तक हैं।
(स) 27 पुस्तक हैं।

सही उत्तर है (ब) 66 पुस्तक। आप अपनी इसी अध्ययन पुस्तक में (ब) के चारों ओर गोला बनाइये या रेखांकित कीजिए। नमूना देखिये :

1 बाइबल में कुल–
(अ) 100 पुस्तक हैं।
(ब) 66 पुस्तक हैं।
(स) 27 पुस्तक हैं।

[एक से अधिक चुनाव वाले कुछ प्रश्नों में एक से अधिक उत्तर भी सही हो सकते हैं। इस स्थिति में आप प्रत्येक सही उत्तर वाले अक्षर पर गोला बनायें या रेखांकित करें।]

एक **सही-गलत** प्रश्न में आपको दिये गये अनेक कथनों में से यह बताना है कि कौन से कथन **सही** हैं।

सही-गलत प्रश्न का उदाहरण :–

2 निम्न दिये गये कथनों में से कौन से कथन सही हैं?
(अ) बाइबल में कुल 120 पुस्तक हैं।
(ब) बाइबल आज विश्वासियों के लिए एक सन्देश है।
(स) बाइबल के सब लेखकों ने इब्रानी भाषा में ही लिखा।
(द) पवित्र आत्मा ने बाइबल के लेखकों को प्रेरित किया।

(ब) और (द) कथन सही हैं। आप इन दोनों अक्षरों के चारों ओर गोला बनाकर या रेखांकित करके अपने चुने हुए उत्तर को दर्शा सकते हैं, जैसा कि आपने ऊपर देखा है।

मिलान करने वाले प्रश्न में आपसे पूछा जाएगा कि जो दो बातें एक सी हैं उनका मिलान करें जैसे कि नाम व उससे सम्बन्धित वर्णन अथवा बाइबल की पुस्तकें और उनके लेखक।

मिलान वाले प्रश्न का उदाहरण :–

3. अगुवा के नाम का अंक प्रत्येक उस कार्य के सामने रिक्त स्थान में लिखें जो उस अगुवे ने किया था।

1. (अ) सीनै पर्वत पर व्यवस्था को प्राप्त किया 1) मूसा
2. (ब) यर्दन के पार जाने तक इस्राएलियों की 2) यहोशू अगुवाई की।
2. (स) यरीहो के चारों ओर चक्कर लगाया
1. (द) फ़िरौन के राज दरबार में रहा

(अ) और (द) वाक्य मूसा के लिए दर्शाते हैं। तथा (ब) और (स) यहोशू के लिए दर्शाते हैं। आप (अ) और (द) के सामने अंक 1 लिख सकते हैं तथा अंक 2 (ब) और (स) के सामने, जैसा कि ऊपर लिख दिया गया है।

आपकी विद्यार्थी रिपोर्ट पुस्तिका

यदि आप प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु अध्ययन कर रहे हैं तो आपको **विद्यार्थी रिपोर्ट प्रश्न पुस्तिका अर्थात् परमेश्वर की योजना–आपका चुनाव** अलग से भेजी जाएगी। इस पुस्तिका में दो भाग हैं। आपकी अध्ययन पुस्तिका यह बताएगी कि इसके दोनों भागों को कब भरना है।

इस पुस्तक के पीछे पृष्ठ 173 से 180 तक आपका उत्तर पृष्ठ दिया गया है। जब आप **परमेश्वर की योजना—आपका चुनाव** पाठों के अध्ययन को पूरा करेंगे। इसके बाद इसके पीछे दिया गया उत्तर पृष्ठ भर कर आई.सी.आई. में भेज दीजिए, फिर आपको एक आकर्षक प्रमाणपत्र प्राप्त होगा। फिर हम आपका नामांकन आगामी पाठ्यक्रम में कर सकेंगे।

लेखक के विषय में

रेव्हरेन्ड जे० लॉवैल हारूप वर्तमान में ब्रुसल्स, बेल्जियम के क्रिश्चयन सेन्टर में पास्टर हैं। ब्रुसल्स में आने से पूर्व आप वाशिंग्टन डी.सी. के पास एल्केज़ेन्ड्रिया, वर्जिनिया में तेरह वर्ष तक पास्तरीय सेवा में रहे। आपने धर्म विज्ञान की शिक्षा-दीक्षा एसेम्बलीज़ ऑफ गॉड के साउथ ईस्टर्न कॉलेज, लेकलैन्ड, फ्लोरिडा से अर्जित की।

रेव्हरेन्ड हारूप की विशेष प्रचार सेवा, परिवारिक-शिविरों (कैम्पस), सेवकगण सभाओं तथा अगुवा प्रशिक्षण सेमीनारों में रही। आपने सेकेण्डरी स्कूलों व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के मध्य भी सेवकाई की। आपने अपने लम्बे अनुभव और परमेश्वर के वचन के लगातार अध्ययन के परिणामस्वरूप यह पाठ्यक्रम लिखा है। विभिन्न स्तरों के लोगों को परामर्श देते रहने का अनुभव भी इसके प्रस्तुतीकरण में सहायक सिद्ध हुआ है।

अब आप पाठ I का अध्ययन आरंभ करने के लिए तैयार हैं। आपके अध्ययन पर और आपको परमेश्वर आशीष दे।